

निष्किल्बक के समान दृष्टिकोण रखते हैं जिन्हें मार्क अपने लाभ से ही मत्त्व रहता है। इसके लिए उन्हें दूसरों को पीड़ित करने में थोड़ा-सा भी संकोच नहीं होता। प्रानुव कविता कार्यक्रम संचालक महोदय की स्वार्थी मनोवृत्ति को दर्शा कर पूजा की कहानी खगा करती है।

8. हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाँगे - पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंज्य किया है?

→ हम एक समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाँगे? पंक्ति के माध्यम से कवि ने यह व्यंज्य किया है कि अपाहित व्यक्ति अपनी शारीरिक विकलांगता की परवाह न करने हुए साहसपूर्वक अपना जीवनव्यतीत कर रहा है, लेकिन दूरदर्शन कार्यक्रम संचालक अपने कार्यक्रम की सफलता के लिए बार-बार उनके अपाहित होने की दुर्बलता की ओर संकेत करता है, कार्यक्रम संचालक एक समर्थ व्यक्ति को दुर्बल बनाकर कार्यक्रम की सफलता की आशा करता है। यहाँ कवि ऊपरी दिखावा करने वाले लोगों के अंदर छिपे हुए चेहरे को स्पष्ट करना चाहते हैं।

9. यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्क, दोनों एक साथ रने लगे, तो उसमें प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा?

→ यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्क दोनों एक साथ रने लगे, तो प्रश्नकर्ता का उद्देश्य कार्यक्रम में विकलांग व्यक्ति की पीड़ा के प्रति सहानुभूति को व्यक्त करना पूरा होगा। प्रश्नकर्ता विकलांग व्यक्ति के

प्रति करवा की अभिव्यक्ति कर अपने सामाजिक उत्थान के कार्यक्रमों को कामयाब बनाना चाहता है। विकलांग व्यक्तियों की पीड़ा सब दर्शकों में उनके प्रति करवा का भाव उत्पन्न करना प्रश्नकर्ता का उद्देश्य है, समाज में लोग इन्हें मानसिक और शारीरिक दुःख-दर्द-यातना-वेदना देने से बचेंगे, यही उनके कार्यक्रम की सफलता भी है।

8. परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे सामाजिक के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है।
- ⇒ परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे सामाजिक के प्रति अपना नजरिया कार्यक्रम संचालक के स्वार्थ को दिकार का रखा है। संचालक को परदे पर समय के अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत करने की कीमत मिल रही है। उसी सीमित समय में ही प्रश्नकर्ता को अपने कार्यक्रम के लोकप्रिय बनाना है। प्रश्नकर्ता अपाहिण व्यक्तियों के प्रति हमदर्दी की तुलना में अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता के लिए अधिक चिंतित है।